Ayateshifa.in

दुआ–ए–तवस्सुल

ये वसीला आइम्मए मासूमीन अलै0 की तरफ़ है। अल्लामा मजलिसी बहुत सी मोतबर किताबों में से मुहम्मद बिन बाबूया से रवायत करते हैं कि उनका कहना है किसी भी काम के लिए मैंने जब भी वसीला लिया है तो उसके कुबूल होने का असर ज़ाहिर हुआ है, मुझे तर्जुबा है कि वह वसीला ये है।

उर्दू पब्लिशर्स

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अल्लाहुम–म इन्नी अस्अलु–क व अ–त–वज्जहु इलै–क बि–नबिय्यि–क नबिय्यिर्रह–मति मुहम्मदिन सल्लल्लाहु अलैहि व आलिही या अबल क़ासिमि या रसूलल्लाहि या इमामर्रह–मति या सय्यि–द–न व

मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबल ह–स–नि या अमीरल मोमिनी–न या अलिय्यब–न अबी तालिबिन या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या फ़ाति–मतज़्ज़हरा–उ या बिन–त मुहम्मदिन या कुर–र–त ऐनिर्रसूलि या सय्यि–द–त–ना व मौला–तना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–कि बै–न यदय हाजातिना या वजीहतन इन्दल्लाह इशफ़ई लना इन्दल्लाह, या अबा मुहम्मदिन या ह–स–नब–न अलिय्यिन अय्युहल मुज्तबा यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क

बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबा अब्दिल्लाहि या हुसैनब–न अलिय्यिन अय्युहश्शहीदु यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबल ह–स–नि या अलिय्यब्नल हुसैनि या ज़ैनल आबिदी–न यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबा जअ्फ़रिन या मुहम्मदब–न अलिय्यिन अय्युहल बाक़िरु यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबा

अब्दिल्लाहि या जअ्फ़रब–न मुहम्मदिन अय्युहस्सादिकु यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबल ह–स–नि या मूसब–न जअ्फ़रिन अय्युहल काज़िमु यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबल ह–स–नि या अलिय्यब–न मूसा अय्युहररिज़ा यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबा जअ्फ़रिन या मुहम्मदब–न अलिय्यिल अय्युहत्तक़िय्युल जवादु यब–न रसूलिल्लाहि

या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबल ह–स–नि या अलिय्यब–न मुहम्मदिन अय्युहल हादिन्नक़िय्यु यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या अबा मुहम्मदिन या ह–स–नब–न अलिय्यिन अय्युहज़्ज़किय्युल असकरिय्यु यब–न रसूलिल्लाहि या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह, या वसिय्यल ह–स–नि वल–ख़–ल–फ़ल हुज–ज–त अय्युहल क़ाएमुल मुन–त–ज़–रुल महदिय्यु यब–न रसूलिल्लाहि

या हुज्जतल्लाहि अला ख़ल्क़िही या सय्यि–द–न व मौलाना इन्ना तवज्जहना वस्तश–फ़अ्ना व–त–वस्सलना बि–क इलल्लाह व क़द–दमना–क बै–न यदय हाजातिना या वजीहन इन्दल्लाह इशफ़अ् लना इन्दल्लाह।

या सादाति व मवालिय–य इन्नी तवज्जहतु बिकुम अइम्मती व उद–दती लि–यौमि फ़क़्री व हा–जति इलल्लाहि व तवस्सल्तु बिकुम इलल्लाहि वस–तश–फ़अ्तु बिकुम इलल्लाहि फ़श–फ़ऊ ली इन्दल्लाहि वस–तनक़िज़ूनी मिन जुनूबी इन्दल्लाहि फ़–इन्नकुम वसी–लती इलल्लाहि व बि–हुब्बिकुम व बि–कुरबिकुम अरजू नजातम मिनल्लाहि फ़कूनू इन्दल्लाहि रजाई या सादाती या औलियाअल्लाहि सल्लल्लाहु अलैहिम अज–मई–न व ल–अ–नल्लाहु अअ्दाअल्लाहि ज़ालिमीहिम मिनल अव्वली–न वल–आख़िरी–न आमी–न या रब्बल आ–लमीन। (फिर अपनी हाजत तलब करे इन्शा अल्लाह पूरी होगी)

तर्जुमा : ऐ मअ्बूद मैं तुझसे सवाल करता हूँ और मैं तेरी तरफ़ मुतावज्जेह होता हूँ, तेरे नबीए रहमत मुहम्मद सल0 के वास्ते से, ऐ अबुल क़ासिम! ऐ अल्लाह के रसूल! ऐ रहमत के इमाम! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबुल हसन! ऐ अमीरल मोमिनीन! ऐ अली इब्ने अबी तालिब अलै0! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ फ़ातिमा ज़हरा सल0! ऐ बिन्ते मुहम्मद सल0! ऐ रसूल की आँखों की ठण्डक! ऐ मेरी मालिका! ऐ हमारी शहज़ादी! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया

अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़दार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबू मुहम्मद! ऐ हसन इब्ने अली अलै0! ऐ अल्लाह के मुन्तख़ब! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबू अब्दिल्लाहि! ऐ हुसैन इब्ने अली अलै0! ऐ शहीद! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबुल हसन! ऐ अली यब्नुल हुसैन ज़ैनुल आबिदीन

अलै0! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबू जअ्फ़र मुहम्मद इब्ने अली अलै0! ऐ बाक़िर! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबू अब्दिल्लाह! ऐ जअ्फ़र इब्नि मुहम्मद अलै! ऐ सादिक़! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम

हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबुल हसन! ऐ मूसा इब्नि जअ्फ़र! ऐ काज़िम! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबुल हसन! ऐ अली इब्नि मूसा! ऐ रिज़ा अलै0! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबू जअ्फ़र! ऐ मुहम्मद इब्नि अली! ऐ तक़िय्युल जवाद अलै0! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की

मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबुल हसन! ऐ अली बिन मुहम्मद! ऐ हादियुन्नक़ी अलै0! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ अबू मुहम्मद! ऐ हसन बिन अली! ऐ ज़की असकरी अलै0! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह

में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास। ऐ हसन के वसी! ऐ हुज्जत के जानशीन! ऐ इमाम क़ाएम मुन्तज़र महदी अलै0! ऐ रसूले खुदा सल0 के फ़रज़न्द! ऐ अल्लाह की मख़्लूक़ पर हुज्जत! ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! हम तेरी तरफ़ मुतावज्जेह हुए और शिफ़ाअत चाही है और तुझसे तवस्सुल किया अल्लाह की तरफ़ और अपनी तमाम हाजतों को तेरे सामने पेश कर दिया, ऐ खुदा की बारगाह में इज़्ज़तदार हमारी शिफ़ाअत फ़रमाईये खुदा के पास।

ऐ मेरे सरदार और मेरे मौला! मैं खुलूस के साथ आपकी तरफ़ मुतावज्जेह हूँ, मेरे इमाम! मेरे ज़ख़ीरे! मेरे फ़क़्र व हाजत के लिए अल्लाह की तरफ़ और आपसे तवस्सुल किया है अल्लाह की तरफ़ और आपसे शिफ़ाअत चाही है अल्लाह की तरफ़, तो हमारी शिफ़ाअत कीजिये अल्लाह के नज़दीक और मुझको बचा लीजिये मेरे गुनाहों से अल्लाह के नज़दीक, क्योंकि आप मेरे वसीले हैं अल्लाह के पास और आपकी मुहब्बत और कुरबत के वास्ते से मैं अल्लाह से निजात की उम्मीद करता हूँ, तो

आप अल्लाह के नज़दीक मेरी उम्मीद हो जाईये, ऐ मेरे सरदार! व ऐ औलियाअल्लाह! अल्लाह का दुरूद हो आप सब पर और अल्लाह की लअ्नत हो आपके दुश्मनों पर, ज़ालिमों पर, शुरू और आख़िर में से, ऐ आलमीन के रब इस दुआ को कुबूल फ़रमा।

दुआ-ए-तवस्सुल

Ayateshifa.in